विश्वकल्याणम्

|| चतुस्सागर पर्यन्तं गो ब्राह्मणेभ्यः शुभं भवतु ||

श्री रुद्राष्टकम

नमामीश मीशान निर्वाणरूपं | विभुं व्यापकं ब्रह्म वेदस्वरूपं |
निजं निर्गुणं निर्विकल्पं निरीहं | चिदाकाश माकाश वासं भजेहं || १ ||

निराकारमोंकार मूलं तुरीयं । गिरा ग्यान गोतीतमीशं गिरीशं |
करालं महाकाल कालं कृपालं । गुणागार संसारपारं नतोहं || २ ||

तुषाराद्रि संकाश गौरं गम्भीरं । मनोभूत कोटि प्रभा श्री शरीरं |
स्फुरन्मौलि कल्लोलिनी चारु गंगा । लसद्भाल बालेन्दु कण्ठे भुजंगा || ३ ||

चलत्कुण्डलं भ्रू सुनेत्रं विशालं । प्रसन्नाननं नीलकण्ठं दयालं |
मृगाधीश चर्माम्बरं मुण्डमालं । प्रियं शंकरं सर्वनाथं भजामि || ४ ||

प्रचण्डं प्रकृष्टं प्रगल्भं परेशं । अखण्डं अजं भानुकोटि प्रकाशम् |
त्रय: शूल निर्मूलनं शूलपाणिं । भजेहं भवानीपतिं भावगम्यं || ५ ||

कलातीत कल्याण कल्पांतकारी । सदासज्जनानन्द दाता पुरारी |
चिदानन्द संदोह मोहापहारी । प्रसीद प्रसीद प्रभो मन्मथारी || ६ ||

न यावद् उमानाथ पादारविंदं । भजंतीह लोके परे वा नराणां |
न तावत्सुखं शान्ति सन्तापनाशं । प्रसीद प्रभो सर्वभूताधिवासं || ७ ||

न जानामि योगं जपं नैव पूजां । नतो5हं सदा सर्वदा शम्भु तुभ्यं |
जराजन्म दु:खौघ तातप्यमानं । प्रभो पाहि आपन्न्मामीश शंभो || ८ ||

रुद्राष्टक मिदं प्रोक्तं विप्रेण हरतोषये |
ये पठन्ति नरा भक्तया तेषां शम्भु: प्रसीदति || ९ ||

|| इति श्री रुद्राष्टकम सम्पूर्ण ||

With Blessings :
'Mahadacharya' KALYANASASTRY AMANCHI
website : www.viswakalyanam.org, mailid : kalyanasastry@viswakalyanam.org,
17-38(B), Road Behind Ayyappa Temple, Ramamandir Street, CHIRALA,
Pin : 523 155, Prakasam District, (A.P.), INDIA.
India Ph. : 91-9248581234, Usa Ph. : 614+874+9133

www.viswakalyanam.org